12. SANSKRIT

प्रथम सत्र

समय : 2½ घंटे

कुल अंक : 55

आन्तरिक मूल्यांकन : 25

प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

1. (क) पाठ्य पुस्तक में से दो गद्यांश पूछे जाएं, जिनमें से एक का हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में अनुवाद करने को कहा जाए। 5

(ख) दो पद्य दिए जाएं, जिनमें से एक का हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में अनुवाद करने को कहा जाए। 5

2. पाठ्य-पुस्तक में से एक गद्य और एक पद्य दिया जाए, जिनमें से किसी एक की हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में संदर्भ सहित व्याख्या करने को कहा जाए। संदर्भ के लिए 1 अंक तथा व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।1+4=5

3. पाठ्य-पुस्तक में से दो पद्य दिए जाएं, जिसमें से किसी एक का हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में भावार्थ लिखने को कहा जाए। 3

4. पाठ्य-पुस्तक में से कोई एक गद्यांश देकर उसी में से संस्कृत में 4 सरल प्रश्नोत्तर पूछे जाएं। 4×1=4

5. पाठ्य-पुस्तक के अभ्यासों में दिए गए शब्दार्थ में से 7 संस्कृत शब्द दिए जाएं, जिनमें से 5 का हिन्दी में अर्थ लिखने को कहा जाए। 5

6. पाठ्य- पुस्तक के अभ्यासों में से 3 प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं, जिनमें से 2 प्रश्नों का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए। 2×2=4

7. निर्धारित पाठ्य-पुस्तक के अभ्यासों में से केवल 3 लघु प्रश्न संस्कृत में पूछे जाएं, जिनमें से 2 का उत्तर संस्कृत में लिखने को कहा जाए। 2×2=4

8. पाठ्य-पुस्तक के व्याकरण भाग में से 8 शब्द देकर 5 सन्धियाँ/सन्धिविच्छेद हल करने को कहा जाये। 5

9. पाठ्य-क्रम में निर्धारित शब्द रूपों में से 6 शब्द रूप विभिन्न विभक्तियों में पूछे जायें जिनमें से 4 हल करने को कहा जाये। 4×1½=6

10. पाठ्यक्रम में निर्धारित धातु रूपों में से 6 धातुओं के रूप विभिन्न लकारों, पुरुषों तथा तीनों वचनों में पूछे जायें जिनमें से 4 हल करने को कहा जाये। 4×1½=6

11. शब्द रूप और धातु रूप पर आधारित रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए 5 वाक्य दिये जायें जिनमें से 3 करने को कहा जाये। 3

पाठ्यक्रम : प्रथम सत्र

भाग क (पाठ्य-पुस्तक के 16 से 21 पाठ तक)

1. निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से उद्धृत अंशों का हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में अनुवाद।
2. निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से उद्धृत अंशों की हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में संदर्भ सहित व्याख्या।
3. पाठ्य पुस्तक के पद्यों का हिन्दी, पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में भावार्थ
4. अर्थ बोध के लिए पाठ्य पुस्तक में से उद्धृत अनुच्छेद में से संस्कृत में प्रश्नोत्तर।

5. संस्कृत शब्दों का हिन्दी में अर्थ।
6. पाठ्य पुस्तक पर आधारित प्रश्नों का हिन्दी में उत्तर।
7. निर्धारित पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत में लघु प्रश्नोत्तर।

भाग -ख (व्याकरण)

8. संधि-विसर्ग संधि-लोप विधि, सत्व विधि, शत्व विधि, उत्व विधि
9. शब्द रूप -पुं.- भानु., गुरु, भातृ, दातृ।
   स्त्री.- मति, रीति, धेनु, मातृ, स्वसृ।
   नपुं.- वारि, मधु।
   हलन्त - सरित् (स्त्री.), वाच् (स्त्री), शशिन् (पुं.), महत् (पुं.) भगवत् (पुं.) श्रीमत् (पुं.)
   सर्वनाम - केवल पुं. में- यद्, किम्, इदम्।
10. धातु रूप - तुदादिगण- तुद्, इष्, स्पृश् , प्रच्छ्।
    दिवादिगण- दिव्, नृत, नश्, भ्रम, तुष्।
    चुरादिगण- चुर्, कथ्, भक्ष्, क्षल्।
11. रिक्त स्थान पूर्ति (उपयुक्त शब्द रूप अथवा धातु रूप पर आधारित)

द्वितीय सत्र

समयः 3 घंटे

कुल अंक : 85

आन्तरिक मूल्यांकन : 35

प्रश्न-पत्र की रूपरेखा

1. (क) पाठ्य पुस्तक में से दो गद्यांश पूछे जाएं, जिनमें से एक का हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में अनुवाद करने को कहा जाए। 5

ख. दो पद्य दिए जाएं, जिनमें से एक का हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में अनुवाद करने को कहा जाए। 5

2. पाठ्य-पुस्तक में से एक गद्य और एक पद्य दिया जाए, जिनमें से किसी एक की हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में संदर्भ सहित व्याख्या करने को कहा जाए। संदर्भ के लिए 4 अंक तथा व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।4+6=10

3. पाठ्य-पुस्तक में से दो पद्य दिए जाएं, जिसमें से किसी एक का हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में भावार्थ लिखने को कहा जाए। 3

4. पाठ्य पुस्तक में से कोई एक गद्यांश देकर उसी में से संस्कृत में 4 सरल प्रश्नोत्तर पूछे जाएं। 4×2=8

5. पाठ्य-पुस्तक के अभ्यासों में दिए गए शब्दार्थ में से 10 संस्कृत शब्द दिए जाएं, जिनमें से 8 का हिन्दी में अर्थ लिखने को कहा जाए। 8

6. पाठ्य-पुस्तक के अभ्यासों में से छः प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं, जिनमें से 4 प्रश्नों का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए। 4×2=8

7. निर्धारित पाठ्य-पुस्तक के अभ्यासों में से केवल छः लघु प्रश्न संस्कृत में पूछे जाएं, जिनमें से चार का उत्तर संस्कृत में लिखने को कहा जाए। 4×2=8

8. निर्धारित धातुओं के साथ प्रत्यय लगाने के लिए चार धातुएँ तथा प्रत्यय दिये जायें, जिनमें से दो धातुओं के साथ प्रत्यय लगाने को कहा जाये अथवा चार उपसर्ग सहित शब्द देकर दो शब्दों में से उपसर्ग तथा धातु को अलग करने के लिए कहा जाये। 2×2=4

9. पाठ्य क्रम अनुसार 6 उप पद विभक्तियों पर आधारित 3 अशुद्ध वाक्य दिये जायें जिनमें से 2 वाक्यों को शुद्ध करने को कहा जाये। 2

10. पाठ्यक्रम में दिये अव्ययों में से 4 अव्यय देकर 2 को वाक्यों में प्रयोग करने को कहा जाये। 2

11. पाठ्य-पुस्तक के अनुवाद भाग (16 से 30 पाठ) में से 10 वाक्य दिये जायें, जिनमें से 5 वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करने को कहा जाये अथवा एक अपठित संस्कृत अनुच्छेद दिया जाये जिसमें से संस्कृत में पांच प्रश्नोत्तर पूछे जायें। 5×2=10

12. शब्द रूप तथा धातु रूप पर आधारित रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए 3 वाक्य दिये जायें जिनमें से 2 करने को कहा जाये। 2

13. पाठ्य क्रम में निर्धारित विषयों में से कोई 3 निबंध पूछे जायें जिनमें से किसी एक विषय पर संस्कृत में 80 शब्दों में निबन्ध लिखने को कहा जाये। 10

पाठ्यक्रम : द्वितीय सत्र

भाग क (पाठ्य-पुस्तक के 22 से 30 पाठ तक)

1. निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से उद्धृत अंशों का हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में अनुवाद।
2. निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से उद्धृत अंशों की हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में संदर्भ सहित व्याख्या।
3. पाठ्य पुस्तक के पद्यों का हिन्दी, पंजाबी अथवा अंग्रेज़ी में भावार्थ
4. अर्थ बोध के लिए पाठ्य पुस्तक में से उद्धृत अनुच्छेद में से संस्कृत में प्रश्नोत्तर।
5. संस्कृत शब्दों का हिन्दी में अर्थ।
6. पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्नों का हिन्दी में उत्तर।
7. निर्धारित पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत में लघु प्रश्नोत्तर।

भाग ख (व्याकरण तथा निबंध)

8. प्रत्यय- भू, गम्, पा, नी, सृ, स्मृ, दृश्, स्था, दा, पठ्, अर्च्, कूज्, पृच्छ, नृत्, चुर्, भक्ष्, क्षल् धातुओं में क्त, क्त्वा, तुमुन्, तव्य, अनीय प्रत्यय लगाकर कृदन्त रूप रचना अथवा उपसर्ग पृथक् करना।
9. उपपद विभक्तियाँ (पाठ्य पुस्तक पर आधारित)
10. अव्यय प्रयोग (पाठ्य पुस्तक पर आधारित)
11. हिन्दी के सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।

    (पाठ्य पुस्तक के अनुवाद भाग में से पाठ्यक्रम में संकलित व्याकरण पर आधारित 16 से 30 पाठ)

    अथवा

    अपठित संस्कृत अनुच्छेद में से संस्कृत में प्रश्नोत्तर।
12. रिक्त स्थानों की पूर्ति (उपयुक्त शब्द रूप अथवा धातु रूप पर आधारित)
13. निम्नलिखित विषयों पर संस्कृत में सरल वर्णनात्मक निबन्ध (लगभग 80 शब्दों में) विज्ञानस्य चमत्काराः, मम अध्यापकः, मम प्रिय मित्रम्, अस्माकं विद्यालयः, दीपावली।

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : संस्कृत भारती, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित।